



भारतीय आधुनिक शिक्षा

वर्ष 38

अंक 1

जुलाई 2017

इस अंक में

| | | |
|--|-------------------------------|----|
| संपादकीय | | 3 |
| भारत में महिला साक्षरता संबंधी चुनौतियाँ | रश्मि श्रीवास्तव | 5 |
| बालकों में जानने और समझने संबंधी उपकरणों का विकास एक व्यावहारिक उपागम | इन्दु दहिया बी. एस. डागर | 17 |
| सृजनात्मकता, दृश्यकला एवं गेस्टाल्टवादी विचारधारा एक विश्लेषणात्मक अध्ययन | प्रतिभा | 32 |
| शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 का विद्यार्थियों की नियमितता व शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव | सीमा शर्मा | 41 |
| शिक्षा के अधिकार कानून का यथार्थ एक विवेचना | सुनीता सिंह | 55 |
| गतिविधि आधारित शिक्षण द्वारा विद्यार्थियों के स्वतंत्र रूप से सीखने के अवसरों का अध्ययन | सरिता बोबड़े मधुलिका वर्मा | 67 |
| इंटरमीडिएट स्तर के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिरुचियों का तुलनात्मक अध्ययन (वाणिज्य और विज्ञान व्यवसाय के विशेष संदर्भ में) | संजीव कुमार शुक्ला | 75 |
| वैदिक गणित विधि एवं परंपरागत गणित शिक्षण विधि का विद्यार्थियों की तर्कशक्ति के परिप्रेक्ष्य में तुलनात्मक अध्ययन | आरती शाक्या अर्चना दुबे | 84 |

| | | |
|---|---|-----|
| झटका तकनीक | भारती | 93 |
| दो वर्षीय बी. एड. पाठ्यक्रम के प्रति विद्यार्थी-शिक्षकों के दृष्टिकोण का अध्ययन | डी. एन. सनसनवाल रजनी सिंह विवेकनाथ त्रिपाठी | 100 |
| बी. एड. विद्यार्थी-शिक्षकों के अभ्यास-शिक्षण में शिक्षण कौशलों के प्रयोग के समय उत्पन्न समस्याओं का अध्ययन | तारकेश्वर गुप्ता | 111 |